RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 174
दि. 26.10.2025, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

प्रधानमंत्री ने नहाय-खाय के पवित्र अनुष्ठान के साथ छठ महापर्व की शुभ शुरुआत पर शुभकामनाएं दीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश और दुनिया भर के श्रद्धालुओं को छठ महापर्व के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं, जो आज नहाय-खाय की पारंपरिक रस्म के साथ शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री ने सभी व्रतियों की अटूट श्रद्धा को नमन किया और इस चार दिवसीय पर्व के गहन सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री मोदी ने छठ की बढ़ती वैश्विक मान्यता को स्वीकार करते हुए कहा कि दुनिया भर में भारतीय परिवार पूरे श्रद्धा भाव से इस अनुष्ठान में भाग लेते हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने छठी मैया को समर्पित एक भक्ति गीत साझा किया तथा सभी को इसकी आध्यात्मिक गूंज में डूबने के लिए आमंत्रित किया।

एक्स पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने लिखाः

'नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन!'

'हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है, उसमें पारिवारिक और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।'

'आज विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाया जाता है। पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार, इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। मेरी कामना है कि

छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें।'

'छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है।'

'मेरा सौभाग्य है कि कल ही, मुझे बेगूसराय जाने का अवसर मिला था। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा जी का बेगूसराय से आत्मीय रिश्ता रहा है। शारदा सिन्हा जी और बिहार के कई लोक कलाकारों ने अपने गीतों से, छठ के उत्सव को एक अलग भाव से जोड़ा है।'

'आज इस महापर्व पर मैं आज आप सभी के साथ छठी मइया के ऐसे गीतों को साझा कर रहा हूं, जिन्हें सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा- उत्सव का वास्तविक आनंद तभी है जब हम किसी पीड़ित की सहायता के लिए खड़े हों

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए भेजे जा रहे बीबी-327 प्रजाति के 1000 क्विंटल गेहूं बीज को करण शिवानी नाम से जाना जाता है. यह रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और उच्च उत्पादकता वाली बायो-फोर्टीफाइड प्रजाति है, जो 155 दिनों में तैयार हो जाती है और 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज देने में सक्षम है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास से पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए 1000 क्विंटल गेहूं बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व केवल उत्सव का नहीं, बल्कि सेवा और सहयोग की भावना का प्रतीक है. जब कोई समाज किसी पीड़ित के साथ खड़ा होता है, तभी उत्सव का वास्तविक आनंद मिलता है, मुख्यमंत्री ने कहा.

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर आपदा की घड़ी में जरूरतमंदों के साथ खड़ी रहती है. पंजाब के किसानों ने देश को अन्न आत्मनिर्भर बनाया है, आज जब वे संकट में हैं, तो उत्तर प्रदेश उनका

सहयोग करेगा, उन्होंने कहा. मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण— तीनों मोर्चों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रही है.

पंजाब के लिए भेजे गए बीज से मिलेगी नई उम्मीद

मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए भेजे जा रहे बीबी-327 प्रजाति के 1000 क्विंटल गेहूं बीज को करण शिवानी नाम से जाना जाता है. यह रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और उच्च उत्पादकता वाली बायो-फोर्टीफाइड प्रजाति है, जो 155 दिनों में तैयार हो जाती है और 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज देने में सक्षम है. सीएम ने कहा कि यह बीज पंजाब के किसानों के लिए नई ऊर्जा और संबल का काम करेगा.

शनिवारवाड़ा में 3 महिलाओं के नमाज पढ़ने से मचा बवाल, कभी मराठों के गौरव का प्रतीक किला था

बीज निगम बना आत्मनिर्भरता का मॉडल

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है. निगम ने इस वर्ष 148 करोड़ रुपये का लाभांश अर्जित किया है और एक वर्ष में 37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है. उन्होंने कहा, यह प्रमाण है कि यदि संस्थान ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करें तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि किसानों को भी आत्मनिर्भर बना सकते हैं.

लखनऊ में बनेगा चौधरी चरण सिंह सीड पार्क

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जल्द ही लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की स्मृति में सीड पार्क की स्थापना होगी. इसके साथ ही प्रदेश में पांच अन्य नए सीड पार्कों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेज की जा रही है. उन्होंने कहा कि समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता किसानों की लागत घटाती है और उत्पादन बढ़ाती है. उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के पास देश की मात्र 11% कृषि योग्य भूमि है, लेकिन वह भारत के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21% योगदान देता है. यह हमारे किसानों की मेहनत और सरकार की नीतिगत दक्षता का परिणाम है, सीएम योगी ने कहा.

मानवता और सहयोग की मिसाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में बाढ़ से तबाही हुई थी, तब भी यूपी सरकार ने राहत सामग्री और आर्थिक सहायता भेजी थी. हम किसी भी राज्य के नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ेंगे. यह भारतीयता की भावना है, उन्होंने कहा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरु हरगोविंद जी महाराज की जयंती पर पंजाब के लोगों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि गुरु हरगोविंद जी का जीवन सेवा, त्याग और मानवता की प्रेरणा देता है.

जे एण्ड के उपचुनाव में भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को क्लीन स्वीप से रोका, उमर अब्दुल्ला ने क्या कहा?

(जीएनएस)।

24 अक्टूबर को मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के वरिष्ठ नेता उमर अब्दुल्ला अपने ऑफिस में पकौड़ों के साथ चाय का आनंद ले रहे थे। उस समय उन्हें पूरी उम्मीद थी कि राज्यसभा की चारों खाली सीटें उनकी पार्टी के हाथ आएंगी।

लेकिन चुनावी प्रक्रिया में भाजपा ने सेंध लगाई और चौथी सीट का नतीजा एनसी के पक्ष में नहीं आया। हालांकि, इस जीत के साथ ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में अपनी राजनीतिक स्थिति और मजबूत कर ली है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की शानदार जीत

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राज्यसभा की चार खाली सीटों के लिए मतदान हुआ। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीन सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा को एक सीट मिली। तीन सीटें जीतने के बावजूद उमर अब्दुल्ला पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। विजेताओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि चौथी सीट जीतने के प्रयासों के बावजूद अंतिम समय में उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा।

एनसी की जीत उसकी विधानसभा में मौजूद अपनी संख्या और कांग्रेस, पीडीपी और कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन के कारण हुई। लेकिन चौथी सीट का सस्पेंस अंतिम क्षण तक बना रहा। अंततः भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार इमरान नबी डार को हराकर चौथी सीट अपने नाम कर ली।

उमर अब्दुल्ला ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, "हमने 4-1 के हिसाब से जीतने की कोशिश की थी, लेकिन अंतिम चरण में हमें धोखा मिला। मुझे लगता है कि सभी जानते हैं कि ये लोग कौन थे। अगर उन्होंने खुले तौर पर कहा होता कि वे बीजेपी के साथ जाना चाहते हैं, तो स्थिति साफ हो जाती। मैं संतुष्ट हूं कि एनसी के किसी भी वोट का लाभ किसी अन्य उम्मीदवार को नहीं मिला।"

दिल्ली की हवा हुई और खराब, आनंद विहार में गंभीर स्तर, बच्चों और बुजुर्गों को खतरा

दिल्ली की हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) शनिवार को लगातार दूसरे दिन 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। सुबह 8 बजे दिल्ली का AQI 257 रिकॉर्ड किया गया। दिवाली के त्योहार के बाद राजधानी में धुंध और वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हुई थी, जिसके कारण शहरवासियों को सांस लेने में तकलीफ का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का 24 घंटे का औसत अदक 275 था। राजधानी में वायु प्रदूषण के स्तर के चलते राष्ट्रपति भवन के समीप कार्तव्य पथ पर एंटी-स्मॉग गन से पानी का छिड़काव किया गया। राजधानी के विभिन्न इलाकों में वायु गुणवत्ता इस प्रकार रहीः आनंद विहार में 413 (गंभीर), वजीरपुर 342 (बहुत खराब)।

समर्थ उत्तर प्रदेश पोर्टल पर अब तक प्राप्त हुए 53 लाख से अधिक सुझाव,ये हैं शीर्ष 5 जिले

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047: समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान' के अंतर्गत प्रदेशभर में जनता से सीधे संवाद और विकास के रोडमैप पर फीडबैक जुटाने का अभियान निरंतर जारी है। 25 अक्टूबर, 2025 तक जनता की राय एवं सुझाव एकत्र करने के लिए बनाए गए पोर्टल samarthuttarpradesh.up.gov.in पर 53 लाख से अधिक फीडबैक प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 41.50 लाख से अधिक सुझाव ग्रामीण क्षेत्रों से और 11.50 लाख से अधिक सुझाव नगरीय क्षेत्रों से आए हैं। इनमें करीब 26 लाख सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग से, करीब 25 लाख सुझाव 31 से 60 वर्ष आयु वर्ग से तथा 2.5 लाख से ज्यादा सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग से प्राप्त हुए हैं।

कृषि क्षेत्र से सर्वाधिक फीडबैक

विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त सुझावों में

कृषि क्षेत्र में सर्वाधिक 13 लाख सुझाव मिले हैं, इसके अलावा शिक्षा क्षेत्र से 12.50 लाख से ज्यादा और अर्बन डेवलेपमेंट से 10.77 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा पशुधन एवं डेयरी(जीएनएस)। इंडस्ट्री, आईटी व टेक, पर्यटन, ग्रामीण विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर, समाज कल्याण, नगरीय एवं स्वास्थ्य तथा सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी व्यापक पैमाने पर सुझाव प्राप्त हुए हैं।

सर्वाधिक सुझाव देने में जौनपुर अव्वल

जनपदवार फीडबैक के अनुसार शीर्ष पांच जनपदों में जौनपुर, संभल, प्रतापगढ़, बिजनौर और गोरखपुर शामिल हैं। जौनपुर से 3.21 लाख से ज्यादा, संभल से 3 लाख से ज्यादा, प्रतापगढ़ से 1.76 लाख से ज्यादा, बिजनौर से 1.67 लक्ष्य ज्यादा और गोरखपुर से 1.58 लाख से ज्यादा फीडबैक मिले हैं। इसके अलावा बरेली से 1.28 लाख से अधिक, बाराबंकी से करीब 1.25 लाख, सोनभद्र से 1.20 लाख से ज्यादा, गोंडा से 1.12 लाख से अधिक और हरदोई से करीब 1.15 लाख सुझाव

'तेजस्वी यादव सीएम बनते ही वक्फ कानून खत्म कर देंगे', आरजेडी एमएलसी के बयान पर भड़की भाजपा ने दिया करारा जवाब

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एडीए गठबंधन और विपक्षी इंडिया गठगंधन में शामिल पार्टियां जोर-शोर से चुनाव प्रचार में जुट चुकी है। चुनावी सभाओं और रैलियों में आरोप--प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी बीच खगड़िया ज़िले के गोगरी में एक जनसभा के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के एमएलसी कारी शोएब ने विवादित बयान दे डाला है। जिसके बाद तेजस्वी यादव की पार्टी भाजपा के निशाने पर आ चुकी है।

दरअसल, कारी शोएब ने कहा बिहार चुनाव जीत कर अगर तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनते हैं, तो वक्फ कानून को खत्म कर दिया जाएगा। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और भाजपा भड़क उठी है।

गौरतल है कि वक्फ बोर्ड में अनियमिताओं और घोटाले पर लगाम कसने के लिए वक्फ संशोधन बिल पारित कर दिया है।

जिसके विरोध में मुस्लिम समुदाय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए गए मामला विचाराधीन है। इस वक्फ बोर्ड को लेकर जेडीयू के नेता शोएब ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बयान दिया है।

शोएब ने यह घोषणा तेजस्वी यादव की मौजूदगी में मंच से की वह खगड़िया की परबत्ता विधानसभा सीट से आरजेडी प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान आरजेडी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

'तेजस्वी सीएम बनते ही वक्फ बोर्ड कानून खत्म करेंगे'

कारी शोएब ने अपने संबोधन में कहा, "जो लोग वक्फ बिल का समर्थन कर रहे हैं, उनका इलाज करना है। अगर तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनते हैं तो हम वक्फ कानून खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा तेजस्वी सीएम बनते ही सारे वर्क फ बिल फाड़ कर फेंक देंगे।

भाजपा के बहकावे में न आए

वायरल वीडियो में कारी शोएब आगे कहते हुए दिख रहे हैं, "साथियों, तेजस्वी जी को मुख्यमंत्री बनाइए। हमारे बड़े भाई संजीव कुमार को जब आप विधायक बनाएंगे, तो वो विधायक नहीं, तेजस्वी यादव जी मुख्यमंत्री बनेंगे। मैं समाज के सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि भाजपा के बहकावे में न आए जिन लोगों ने वक्फ बिल का समर्थन किया, उनका इलाज करना है।"

देश को बचाने के लिए लालटेन को जिताइए

आजेडी नेता ने कहा, "जेडीयू-एलजेपी ये सब विरोधी हैं। बिहार और देश को बचाने के लिए इस लालटेन छाप (आरजेडी का चुनाव चिह्न) को यहां जिताइए। तेजस्वी यादव जी मुख्यमंत्री बनेंगे. सारे बिल फाड़ के फेंक दिए जाएंगे, चाहे वो वक्फ बिल हो या कोई और बिल।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वीरमगाम के पूर्व विधायक स्व. वजुभाई डोडिया की प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

गांधीनगर, 25 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल शनिवार को वीरमगाम के पूर्व विधायक और अग्रणी समाज सेवक स्व. वजुभाई परमारभाई डोडिया की प्रार्थना सभा में उपस्थित रहे।

इस प्रार्थना सभा में मुख्यमंत्री ने दिवंगत वजुभाई डोडिया को पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. वजुभाई डोडिया के सार्वजनिक जीवन और समाज के लिए दिए गए योगदान को याद किया। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के साथ मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि स्व. वजुभाई परमारभाई डोडिया का निधन मंगलवार, 25 अक्टूबर, 2025 को हुआ था। उन्होंने वीरमगाम और साणंद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं और एडीसी बैंक एवं गुजकोमासोल के निदेशक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया था।

इस श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, वीरमगाम के विधायक श्री हार्दिक पटेल सहित अहमदाबाद शहर और जिले के सभी विधायक, राजनीतिक, सामाजिक और सहकारिता क्षेत्र के अग्रणियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

'मिथिला पाग' पर क्यों मचा है बवाल? मैथिली ठाकुर ने ऐसा क्या किया कि भाजपा के लिए बढ़ी मुसीबत?

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 से पहले 'मिथिला की शान' कहे जाने वाले पारंपरिक 'पाग' को लेकर सियासी गलियारों में विवाद थमने का नाम नहीं

ले रहा है। पहले बलिया से भाजपा विधायक केतकी सिंह ने मैथिली ठाकुर के समर्थन में जनसभा के दौरान पाग पर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उसे फेंका, जिससे हंगामा मच गया। अब दरभंगा की अलीनगर सीट से भाजपा उम्मीदवार लोक गायिका मैथिली ठाकुर खुद एक नए विवाद के केंद्र में आ गई हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु व्यापक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित

मुंबई, भारतीय रेल द्वारा दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की सुविधा और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। यात्रा की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए देशभर में हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के 12,000 से अधिक फेरे चलाए जा रहे हैं। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। इस व्यस्त अवधि के दौरान सुचारू परिचालन और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे अथक परिश्रम कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा भी त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए गए हैं। त्योहारी सीजन के दौरान भारी मांग को पूरा करने के लिए 80 जोड़ी से अधिक स्पेशल ट्रेनों के लगभग 2,500 फेरे परिचालित किए जा रहे हैं। इनमें से अधिकांश ट्रेनें उत्तर भारत की ओर जाती हैं, जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और पड़ोसी राज्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों को सेवाएँ प्रदान करती हैं। इनमें से लगभग 1,630 फेरे गुजरात से, 752 फेरे महाराष्ट्र से और 90 फेरे मध्य प्रदेश से हैं।

उधना/सूरत से उत्तर प्रदेश और बिहार सहित देश के विभिन्न हिस्सों के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेनों में यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पिछले वर्ष त्योहारी अवधि की तुलना में जब 93 यात्राएं अधिसूचित की गई थीं और लगभग 1.49 लाख यात्रियों को ले जाया गया था (09.10.2024 से 08.11.2024 तक), इस वर्ष के त्योहारी सीजन (28.09.2025 से 28.10.2025 तक) में 128 फेरे अधिसूचित की गई हैं, जिनमें 2 लाख से अधिक यात्रियों को ले जाया गया। इन स्पेशल ट्रेनों ने अपने गंतव्य तक जाने वाले यात्रियों को एक सुविधाजनक और परेशानी मुक्त यात्रा का अनुभव प्रदान किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि यात्री यातायात में वृद्धि को देखते हुए 19 अक्टूबर, 2025 को यात्रियों की सुविधा के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं।

इस भीड़ को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए उधना स्टेशन पर कई बुनियादी ढाँचे में सुधार और यात्री-अनुकूल सुविधाएँ विकसित की गई हैं। उधना (पूर्व) के नए उन्नत उच्चस्तरीय प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर यात्रियों के लिए चढ़ने की सुविधा में सुधार किया है। स्टेशन के पहुँच मार्ग को सकुर्लेटिंग और होल्डिंग ऐरिया से जोड़ने के लिए 700 मीटर लंबी कंक्रीट सड़क का निर्माण किया गया है। दो विशाल होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं – एक पश्चिम की ओर लगभग 1,000 यात्रियों के लिए और दूसरा पूर्व की ओर 1,500 यात्रियों के लिए। ये होल्डिंग एरिया पर्याप्त बैठने की जगह, पेयजल नल, रोशनी, पंखे, शौचालय, सीसीटीवी निगरानी और एक सार्वजनिक घोषणा प्रणाली से सुसज्जित हैं।

टिकटिंग को तेज और आसान बनाने के लिए अतिरिक्त बुकिंग काउंटर, एटीवीएम और हैंड-हेल्ड टिकटिंग टर्मिनल शुरू किए गए हैं। मोबाइल यूटीएस सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे बुकिंग कर्मचारी कतार में प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को टिकट जारी कर सकेंगे। प्लेटफॉर्म के बीच सुचारू आवाजाही के लिए पूर्वी स्टेशन भवन में एक नया एस्केलेटर और अतिरिक्त सीढ़ियाँ लगाई गई हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए निःशुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय की भी व्यवस्था की गई है।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए यात्रियों की सहायता और प्लेटफॉर्मों पर उचित कतार व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा ट्रेनों की सुरक्षा की जा रही है। सीसीटीवी निगरानी चौबीसों घंटे की जा रही है और भीड़ प्रबंधन के लिए संवेदनशील स्टेशनों पर एक समर्पित वॉर रूम स्थापित किया गया है। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को परिचालन की निगरानी और यात्रियों की सहायता के लिए चौबीसों घंटे तैनात किया गया है।

पश्चिम रेलवे द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से सभी स्पेशल ट्रेनों एवं यात्री सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को ट्रेन सेवाओं के बारे में पूरी जानकारी मिलती रहे। पश्चिम रेलवे सभी यात्रियों से अपील करती है कि वे इस त्योहारी सीजन के दौरान सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेल कर्मचारियों के साथ सहयोग करें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

चित्रांश महापरिवार द्वारा श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव की रजत जयंती हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

मुंबई, 24 अक्टूबर। मुंबई के मीरा रोड की प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था "चित्रांश महापरिवार" द्वारा भारतीय संस्कृति के महापर्व दीपावली के अवसर पर श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन गुरुवार , 23 अक्टूबर, 2025 को मुंबई के मीरा रोड (पूर्व) स्थित सुरभि जिमखाना परिसर में बड़ी ही श्रद्धा, गरिमा एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

मुंबई के मीरा रोड में "चित्रांश महापरिवार" द्वारा आयोजित श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह के विभिन्न दृश्य।

यह जानकारी देते हुए चित्रांश महापरिवार के वरिष्ठ प्रतिनिधि राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इस भव्य समारोह में चित्रांश समाज के लगभग 300 सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने भगवान चित्रगुप्त की आराधना कर समाज की एकता, संस्कृति और परम्परा के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। भव्य रूप से सजाये गये मंच पर समाज के बच्चों और युवाओं ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सदस्यों द्वारा एकल और समूह गीत की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। समारोह के दौरान चित्रांश समाज की उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। दसवीं और बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री सिन्हा ने बताया कि इस पहल ने चित्रांश समाज में शिक्षा के बढ़ते हुए महत्व को रेखांकित किया और नई पीढ़ी को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह और कोर समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनके योगदान का सम्मान किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण संस्था के मुख्य संरक्षक अशोक सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति रहा।उन्होंने चित्रांश महापरिवार की छठ पूजा करने वाली सभी महिलाओं को श्रद्धास्वरूप एक साड़ी एवं पूजन सामग्री भेंट कर उनके भावनात्मक समर्पण को सम्मानित किया। उनके इस योगदान ने समाज में सेवा और एकता की भावना को और सशक्त बनाया। पूरे आयोजन को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष बी. आर. सिन्हा, सचिव अजीत वर्मा और कोर समिति के सभी सदस्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके संयुक्त प्रयासों, सामंजस्य और समर्पण ने समारोह को सुव्यवस्थित और यादगार बना दिया। एक एक विशेष आकर्षण था समारोह की स्मारिका का प्रकाशन। इस सुंदर और संग्रहणीय स्मारिका का सम्पादन वरिष्ठ साहित्यकार राजेश कुमार सिन्हा ने किया तथा इसमें अजीत वर्मा का प्रमुख सहयोग रहा। स्मारिका में संस्था की गतिविधियों, समाज के प्रबुद्ध विचारों और सांस्कृतिक मूल्यों का संकलन किया गया है, जो भविष्य में समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। पूरे समारोह में श्रद्धा, समर्पण, और समाज के प्रति एकता की भावना स्पष्ट रूप से झलकती रही। सभी उपस्थित सदस्यों ने ईश्वर से यह प्रार्थना की कि चित्रांश समाज सदैव संगठित, सशक्त और प्रगतिशील बना रहे तथा भगवान चित्रगुप्त जी का आशीर्वाद सभी पर सदा बना रहे।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया अहमदाबाद स्टेशन का दौरा

त्योहारों के मद्देनजर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की

इस दौरान अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का जायजा भी लिया

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 24 अक्टूबर 2025 को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए महाप्रबंधक ने अहमदाबाद स्टेशन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे होल्डिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फूटओवर ब्रिज, टिकट काउंटर, और सकुर्लेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने हेतु किए गए प्रबंधों की समीक्षा की और अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी जायजा लिया।

अहमदाबाद स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने कालूपुर ब्रिज से सारंगपुर के बीच बन रहे रोड ओवर ब्रिज (फ्ढ्इ) का निरीक्षण किया तथा सरसपुर दिशा में बनाए गए होल्डिंग

एरिया एवं प्लेटफॉर्म संख्या 8 के समीप ठलरफ्छछ बिल्डिंग के नीचे तैयार होल्डिंग एरिया का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से संवाद भी किया।

निरीक्षण के पश्चात श्री गुप्ता ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रेलवे द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल द्वारा वर्तमान त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा हेतु 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनमें से 2,000 से अधिक ट्रेनें पश्चिम रेलवे द्वारा संचालित की जा रही हैं। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद, साबरमती, असारवा, उधना, बांद्रा टर्मिनस आदि प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहाँ पेयजल, टॉयलेट, सीसीटीवी निगरानी, टिकटिंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेलवे के 12 लाख से अधिक कर्मचारी चौबीसों घंटे यात्रियों की सुरक्षित एवं सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं, जिनमें पश्चिम रेलवे के लगभग 80000 से 90000 कर्मचारी भी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद एरिया से दिवाली पर्व के दौरान 1.5 लाख से अधिक यात्रियों को सफलतापूर्वक उनके गंतव्य तक पहुँचाया गया है और अब छठ पूजा के अवसर पर संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त स्पेशल एवं अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

स्टेशन निरीक्षण के पश्चात श्री गुप्ता ने अहमदाबाद-विरमगाम सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग संरक्षा निरीक्षण किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चरल कार्यों, रेलवे ट्रैक, लेवल क्रॉसिंग तथा पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश, मुख्य परियोजना प्रबंधक (फ्छऊ्अ) श्री संजीव कुमार सहित अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शाखा प्रबंधक ने फर्जी मुकदमे में फसाने की दिया धमकी जाति सूचक दिया गाली, पीड़ित ने शाखा प्रबंधक पर लगाया गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

थाना क्षेत्र के सैदापुर चौराहा स्थित बैंक ऑफइंडिया से बसहरीगांव के एक व्यक्ति ने दुकान हेतु लोन लिया था। किश्तें न जमा होने से बैंक मैनेजर ने गुरुवार को ग्राहक से किश्तें जमा करने को कहा,इस

प्रग्रहक ने किश्तें न जमा होने पर बीमारी का हवाला दिया। ग्राहक राजेश कुमार का आरोप है कि शाखाप्रबंधक ने बीमारी की बात सुनते ही अभद्रता से बात करने लगे और कहने लगे कि मैने लोन की राशि अपने पास से दी आज ही जमा करो। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद शाखा प्रबंधक प्रशांत शुक्ला डेढ़ बजे ताला लेकर दुकान पर आ पहुंचे और शटर बंद करने लगे। ग्राम सभा से लोक सभा तक वायरल वीडयो की

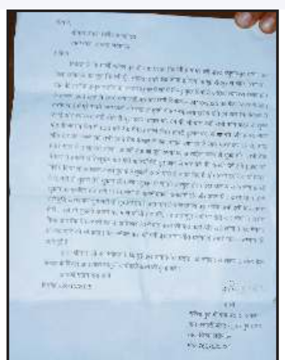

पुष्टि नही करता है जब मैने विरोध किया तो जाति सूचक गालियां देते हुए जन से मार डालने की धमकी देने के साथ ही आज ही लोन पूरा जमा करने को कहने लगे ।जब मैने कहा कि तबियत ठीक होने के पर शीघ्र ही सारा पैसा जमा कर देंगे ।इस पर भी प्रबंधक अभद्रता करते रहे। यह देख पड़ोसी इकट्ठे हो गए और मैनेजर से बैंक की सीमा में रहकर बात करने को कहा। इसके बाद मैनेजर महोदय आपा खो बैठे और पीड़ित राकेश को जेल भेजवाने की धमकी देने लगे ।पीड़ित ने अपने को अपमानित और बेइज्जत होने से आहत होकर मक थाना अध्यक्ष नबाब अहमद से न्याय की गुहार लगायी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर के बीच चलाएगी एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई, 24 अक्टूबर, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीजन दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 04834/04833 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 04834 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:25 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04833 जोधपुर – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार को जोधपुर से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 अक्टूबर 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, वनस्थली निवाई, दुगार्पुरा, जयपुर, आसलपुर जोबनेर, फुलेरा, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना और मेड़ता रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04834 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 26 अक्टूबर, 2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सतीश शाह ने एक ही शो में निभाए थे 50 से ज्यादा किरदार

(जीएनएस)।

मशहूर अभिनेता सतीश शाह का 25 अक्टूबर 2025 को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से किडनी संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। अपने शानदार अभिनय और अद्भुत कॉमिक टाइमिंग के लिए पहचाने जाने वाले सतीश शाह ने हिंदी सिनेमा और टेलीविजन दोनों में अमिट छाप छोड़ी।

सतीश शाह का जन्म 25 जून 1951 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। वे गुजराती मूल से थे और उन्होंने अपनी शिक्षा जेवियर कॉलेज से पूरी की। अभिनय की कला में महारत हासिल करने के लिए वे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII) से जुड़े। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शौक था, जिसे उन्होंने मेहनत और लगन से अपना करियर बना लिया।

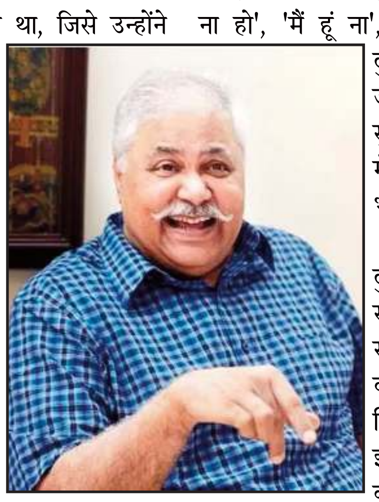

फिल्म और टीवी का सुनहरा सफर

सतीश शाह ने अपने करियर में 250 से अधिक फिल्मों में काम किया और कई लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों का हिस्सा रहे। उन्होंने 1978 में फिल्म 'अरविंद देसाई की अजीब दास्तान' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया और जल्द ही 'जाने भी दो यारो', 'कल हो ना हो', 'मैं हूं ना', और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार भूमिकाएँ निभाईं।

टीवी की दुनिया में उनका सबसे चर्चित शो रहा 'साराभाई वर्सेस साराभाई', जिसमें उन्होंने इंद्रवदन साराभाई का किरदार निभाया। यह किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में ज़िंदा है। इससे पहले उन्होंने टीवी शो 'ये जो है जिंदगी' में 55 एपिसोड में 55 अलग-अलग किरदार निभाकर अपने अभिनय कौशल का लोहा मनवाया था।

अन्य योगदान और उपलब्धियां

सतीश शाह न केवल एक कुशल अभिनेता थे, बल्कि निमार्ता भी रहे। उनकी पत्नी मधु शाह एक प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर हैं। साल 2008 में उन्होंने अर्चना पूरन सिंह के साथ 'कॉमेडी सर्कस' में जज की भूमिका निभाई। इसके अलावा, 2015 में उन्हें ॠळ्क्क सोसाइटी का सदस्य नियुक्त किया गया था। उन्होंने टीवी शो 'फिल्मी चक्कर', 'घर जमाई', और 'ऑल द बेस्ट' में भी शानदार काम किया। उनकी जोड़ी अभिनेत्री रत्ना पाठक शाह के साथ दर्शकों को बेहद पसंद आई।

अभिनय की विरासत

सतीश शाह अपने हास्य और यथार्थपूर्ण अभिनय के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनके किरदारों में सहजता, गहराई और मानवीय भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलता था। उन्होंने अपने अभिनय से जो मुस्कानें दर्शकों को दीं, वे आने वाले वर्षों तक हिंदी सिनेमा में गूंजती रहेंगी।

मुश्किल है तथ्य का सामना क्योंकि इसकी कोई काट नहीं होती

वो जितना चाहें उतना समय ले लें। एक महीना, दो महीने, छह महीने। बस किसी वेद का एक मंत्र दिखा दें।

ज़ी टीवी के मैनेजमेंट ने इस पत्रकार के तथ्य को स्वीकार कर लिया, क्योंकि तथ्य की कोई काट नहीं होती।

मुश्किल है तथ्य का सामना क्योंकि इसकी कोई काट नहीं होती तथ्य का सामना कोई नहीं कर सकता। ये नियम इस पत्रकार ने अपने 47 साल के अनुभव से सीखा है। एक उदाहरण। वर्ष 1998 में ये संवाददाता ज़ी टीवी पर एक कार्यंक्रम एंकर करता था, आप की अदालत, आप का फ़ैसला। उस में दो मेहमान आमने-सामने होते थे।

एक एपिसोड में एक हिन्दू विरोधी, वामपंथी इतिहासकार, को पूरी तरह से बेनक ाब कर दिया गया। उस एपिसोड का विस्तृत वर्णन अरुण शौरी की किताब 'एमिनेंट हिस्टोरियंज़' में है।

अरुण शौरी खुद भी उस एपिसोड में एक पैनेलिस्ट थे, और दूसरे पैनेलिस्ट थे प्रोफ़ेसर के. ऍम. श्रीमाली। प्रोफ़ेसर श्रीमाली दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राचीन भारत का इतिहास पढ़ाते थे। वो उन वामपंथी प्रोफ़ेसरों में थे जिन्होंने जान-बूझ कर इतिहास के छात्रों को गुमराह करने का बीड़ा उठाया था। सौभाग्य से प्रोफ़ेसर श्रीमाली के झूठ का सामना कार्यांम में तथ्य से हो गया। प्रोफ़ेसर श्रीमाली बहुत छटपटाये। लेकिन वो एक बार एक्सपोज़ हो गए, तो अपने झूठ पर वापस नहीं लौट पाए।

इत्तेफ़ाक ऐसा हुआ कि ये संवाददाता एपिसोड से एक दिन पहले प्रोफ़ेसर श्रीमाली के घर पर उन्हें न्योता देने गया। इस संवाददाता के तीन रिसर्चर भी साथ में थे। बातों बातों में प्रोफ़ेसर श्रीमाली के मुंह से निकल गया कि प्राचीन भारत में गाय का मांस खाया जाता था। इस विषय पर इस संवाददाता ने कोई विरोध नहीं किया, क्योंकि ये तथ्य था। प्राचीन भारत में राक्षस गाय का मांस खाते थे। लेकिन प्रोफ़ेसर श्रीमाली की नीयत में खोट था। उन का मक सद था कि सनातनी हिन्दू की आस्था पर ऐसी चोट की जाए कि उस की मान्यता जड़ से ही ध्वस्त हो जाए।

वामपंथी श्रीमाली यहीं नहीं रुके।

उन्होंने ये भी कहा कि प्राचीन भारत में ब्रा१ाण गाय का मांस खाते थे।

अपने झूठ को और घातक बनाते हुए वामपंथी प्रोफ़ेसर ने कहा कि प्राचीन भारत में वेदों की अनुमति से नहीं, वेदों की आज्ञा से ब्रा१ाण गाय का मांस खाते थे।

इस संवाददाता ने अपने तीनो रिसर्चरों को इशारा किया कि वो चुप रहें।

चुनावी मुद्दे जीवंत हैं

दीपावली के दूसरे दिन से दिल्ली मुंबई से छठ पूजा के लिए बिहार जाने वालों की भीड़ मैं दशकों से देख रहा हूं पर हर वर्ष इस पर सत्ता और विपक्ष के बीच जो आरोपों और प्रत्यारोपों का जो सिलसिला चलता है वो हास्यास्पद है।

इस बार भी दीपावली के एक दो दिन बाद की मुंबई रेलवे स्टेशन सेबिहार की ओर जाने वाली ट्रेनों में भेड़ बकरियों की तरह ठूस कर जाने वाली भीड़ को पोस्ट करते हुए राष्ट्रीय जनता दल की तेज तर्रार प्रवक्ता प्रियंका भारती ने यह एहसास दिलाने की कोशिश की कि एन डी ए सरकार के बिहार के लोगों के प्रति उदासीनता के कर्ण ऐसी स्थिति आईं है वही दूसरी ओर एन डी ए के प्रवक्ता यह दिखाने में लगे थे कि दिल्ली और मुम्बई जैसे शहरों छठ पूजा के पर्व पर जाने वालों के लिए 1400से अधिक ट्रेनें चलाईं जा रही हैं और जो लोग यही रहकर छठ पूजन करना चाहते हैं उनके लिए उपयुत्त व्यवस्था की गईं है।

मंडला में स्कूल यूनिफॉर्म में शराब खरीदने पहुंची छात्राओं का क्या हैं पूरा सच, जानिए, एसडीएम का बड़ा खुलासा!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मंडला जिले के नैनपुर में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। स्कूल यूनिफॉर्म पहने कुछ छात्राओं ने शराब की दुकान पर पहुंचकर नशे का सामान खरीदा, और दुकानदार ने बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें शराब बेच दी। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद एसडीएम आशुतोष ठाकुर ने दुकान का निरीक्षण किया, और मामले की पुष्टि करते हुए कार्रवाई का ऐलान किया।

आबकारी अधिकारी रामजी पांडे ने बताया कि छात्राओं की उम्र की जांच की जाएगी, और अवयस्क को शराब बेचना जीएलसी (जनरल लाइसेंस कंडीशन) का स्पष्ट उल्लंघन है। पूरा प्रकरण कलेक्टर को भेजा जा रहा है।

इस घटना ने न केवल आबकारी विभाग की लापरवाही उजागर की, बल्कि पूर्व विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने इसे 'सरकार की विफलता' करार देते हुए तीखा हमला बोला। "विद्या के मंदिर में रहने वाली बच्चियां शराब दुकान पर? यह इखढ राज का काला अध्याय है!" आइए, इस शर्मनाक घटना की पूरी परतें खोलते हैं-वीडियो से लेकर जांच, राजनीतिक रंग और समाज पर असर तक।

घटना का शर्मनाक चेहराः यूनिफॉर्म में दुकान पर छात्राएं, दुकानदार ने बेच दी शराब

नैनपुर-मंडला जिले का एक शांत कस्बा-गुरुवार दोपहर एक वायरल वीडियो की वजह से सुर्खियों में आ गया। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि 4-5 छात्राएं स्कूल यूनिफॉर्म (लाल-नीली साड़ी जैसी ड्रेस) पहने शराब दुकान के सामने पहुंचीं। दुकान के काउंटर पर खड़ी होकर वे शराब की बोतल खरीदती नजर आ रही हैं। वीडियो में छात्राएं सिर पर दुपट्टा डाले हैं, ताकि पहचान छिपे, लेकिन यूनिफॉर्म उन्हें अलग नहीं होने देती। दुकानदार बिना किसी पूछताछ के उन्हें शराब सौंप देता है, और वे बोतलें लेकर चली जाती हैं।

घटना नैनपुर बाजार की एक सरकारी शराब दुकान पर हुई, जो स्कूल से महज 500 मीटर दूर है। वीडियो स्थानीय सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शिकायत दर्ज की। एक दुकानदार ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "ऐसी घटनाएं पहले भी हुई हैं, लेकिन दुकानदार लाइसेंस बचाने के लिए नजरअंदाज करते हैं। बच्चियां नाबालिग लग रही थीं।"

मंडला जिले में शराब की दुकानें स्कूलों के आसपास हैं, जो नशे के प्रति युवाओं को आकर्षित कर रही हैं। यह वीडियो नैनपुर के एक प्राइवेट स्कूल की छात्राओं से जुड़ा बताया जा रहा है, लेकिन स्कूल प्रशासन ने अभी कोई बयान नहीं दिया।

रऊ्ट आशुतोष ठाकुर का खुलासाः 'दुकानदार ने बच्चियों को शराब बेची, कार्रवाई होगी'

वीडियो वायरल होते ही नैनपुर एसडीएम आशुतोष ठाकुर ने तुरंत दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानदार से पूछताछ की, सीसीटीवी फुटेज देखा और मामले की पुष्टि की। रऊ्ट ने कहा, "यह बेहद शर्मनाक है। दुकानदार ने स्पष्ट रूप से अवयस्क छात्राओं को शराब बेची। हमने दुकान का स्टॉक चेक किया और लाइसेंस निलंबन की सिफारिश की है।" ठाकुर ने स्थानीय स्कूलों के प्रिंसिपल्स को नोटिस जारी किया और छात्राओं के परिवारों से बात करने का आदेश दिया।

आबकारी अधिकारी रामजी पांडे ने बताया, "छात्राओं की उम्र 18 वर्ष से कम या अधिक, इसकी जांच की जाएगी। अवयस्क को शराब बेचना जीएलसी का उल्लंघन है, जिसके लिए 3 साल की जेल और 50,000 जुमार्ना हो सकता है। पूरा प्रकरण तैयार कर कलेक्टर को भेजा जा रहा है। दुकान सील हो सकती है।" पांडे ने कहा कि मंडला जिले में 150 से अधिक शराब दुकानें हैं, और अवैध बिक्री रोकने के लिए छापेमारी बढ़ाई जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि स्कूलों के पास दुकानें क्यों?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आबकारी विभाग की मिलीभगत है।

पूर्व विधायक अशोक मर्सकोले का तीखा हमलाः 'विद्या मंदिर में रहने वाली बच्चियां शराब दुकान पर? इखढ राज की लापरवाही!'

इस घटना ने जल्द ही राजनीतिक रंग ले लिया। पूर्व विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, "जिस समय इन बच्चियों को विद्या के मंदिर में होना चाहिए, वे अंग्रेजी शराब दुकान से बोतलें खरीद रही हैं। यह प्रदेश सरकार और आबकारी विभाग की बड़ी लापरवाही है। इखढ के राज में नशा युवाओं को खा रहा है, लेकिन कार्रवाई का नामोनिशान नहीं।"

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

सुधरने के तैयार नहीं पाक

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान द्वारा पाक अधिवृत कश्मीर यानि पीओके में उसकी सेना और पुलिस द्वारा बर्बरता की जमकर निन्दा की।

किन्तु हैरानी की बात यह है कि भारत के स्थाई प्रातिनिधि ने पाकिस्तान की निन्दा तब की जब उसने 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के स्थाई प्रातिनिधि ने भारत पर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों द्वारा दमन का आरोप लगाया तब जाकर भारत के स्थाई प्रातिनिधि हरीश पर्वत नेनी ने ह्यराइट टू रिप्लाई' का इस्तेमाल करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परम्पराओं और संवैधानिक ढांचे के अनुरूप अपने मौलिक अधिकारों का उपयोग करते हैं लेकिन ये अधिकार आज भी पाकिस्तान के लिए एक अजनबी अवधारणा है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। यह न पहले बदला था और न अब बदलेगा और न ही कभी बदलेगा। हमारे स्थाई प्रातिनिधि पाकिस्तान द्वारा पाक अधिवृत कश्मीर में 29 सितम्बर को जनाव्रोश के दौरान पुलिस और सेना से गोलियों से मारे गए 12 निदरेष नागरिकों की नृशंस हत्या पर जमकर लताड़ लगाई। हमारे स्थाई प्रातिनिधि द्वारा पीओके की जनता सैन्य उत्पीड़न और संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुलेआम सड़कों पर विद्रोह का मुद्दा तो उठाया किन्तु ऐसा तब किया जब पाकिस्तान ने भारत के जम्मूकश्मीर में झूठा आरोप लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंच का दुरुपयोग कर लिया।

दरअसल 29 सितम्बर को प्राचण्ड जनाव्रोश के दौरान पुलिस और फौज की गोलियों से पीओके में मात्र 12 लोग ही नहीं मरे थे बल्कि गंभीर रूप से घायलों की संख्या लगभग 200 है। पीओके के लोगों की मांग थी कि उनकी विधानसभा की 12 आरक्षित सीटें खत्म कर दी जाएं क्योंकि इतनी सीटों के आरक्षण के बाद तो उनके विधानसभा में पीओके के स्थानीय निवासियों के लिए सीटें तो बचती ही नहीं है। पीओके में न तो बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था है। सार्वजनिक यातायात की हालत यह है कि सड़वें बनी ही नहीं, अंग्रोजों के जमाने की बनी सड़वें भी टूटी हालत में बेहाल पड़ी हैं। भारत की तरफ के जम्मू-कश्मीर में सड़वें, रेलवे लाइन और एयरपोर्ट की हालत भारत के अन्य क्षेत्रों की तरह ही काफी संख्या में है। जम्मू-कश्मीर में देशी व विदेशी निवेश हो रहा है और वहां का पर्यंटन उद्योग भारत के अन्य राज्यों की अपेक्षा काफी समृद्ध है। जम्मूकश्मीर में होटलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि पर्यंटकों को ढांचागत सुधार की जरूरत का एहसास नहीं होता। 2019 के पहले तो राज्य में वुछ शरारती तत्वों द्वारा वैलेंडर जारी करके युवाओं से पत्थरबाजी कराई जाती थी। अब वही युवक वैमरे के सामने कहते सुने जा सकते हैं कि 500 रुपए में वे पत्थरबाजी करने के लिए कम से कम एक सप्ताह तक आल पाटा हुर्रियत कांप्रोंस के वैलेण्डर की प्रातीक्षा करते थे और अब हजारों रुपए वे प्रतिदिन कमा रहे हैं क्योंकि राज्य में पर्यंटन उद्योग एक बार फिर से चल पड़ा है। जम्मू-कश्मीर में सेना और पुलिस एक सुनिाति दायरे में ही अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके अपराधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करती हैं। वेंद्र शासित प्रादेश होने के कारण नई दिल्ली खुद ही इस संवेदनशील मुद्दे को बड़ी सतर्वता एवं सहजता से हल करती है। भारत में जम्मू-कश्मीर में सेना या पुलिस को वहां की जनता अपनी रक्षक मानती है। इस राज्य में सेना के अस्पतालों में आम नागरिक अपने नियमित इलाज कराते हैं और वहीं से उन्हें दवाएं भी दी जाती हैं। सेना अपने स्वूलों में जम्मू-कश्मीर के लोगों के बच्चों को निःशुल्क प्रावेश देती है। यही नहीं इस राज्य के सरकारी स्वूलों और अस्पतालों की संख्या देश के किसी अन्य राज्य से कम नहीं है। जम्मू में भी आईआईटी और आईआईएम बने हैं और कश्मीर में भी ये दोनों उच्च शैक्षिक संस्थान हैं। दोनों ही रीजन में प्रातिष्ठित विश्वविद्यालय हैं। मतलब यह कि जो भी मानवीय सुविधाएं देश के दूसरे राज्यों को उपलब्ध कराई जाती हैं, वही सुविधाएं जम्मू-कश्मीर को भी मिलती हैं। .यही कारण है कि पीओके के लोग जब खाने-पीने के सामान से भी वंचित रहते हैं और गेहूं के आटे के लिए उनकी जान चली जाती है, तो उन्हें परेशानी तो होगी ही। आज डिजीटल मीडिया के युग में पीओके के लोग कहते सुने जा सकते हैं कि उन्हें भारत के हिस्से वाले कश्मीर के साथ ही रहना है।

पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने पर हो रही है ऐसी चर्चा

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशन्स (आसियान) समिट में शामिल होने मलेशिया नहीं जाएंगे. पीएम मोदी इस समिट में वर्चुअली जुड़ेंगे.

पीएम मोदी की जगह भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समिट में हिस्सा लेंगे. यह समिट मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में 26 से 28 अक्तूबर तक है.

इस समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा और दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी शामिल होंगे.

दूसरी तरफ इस समिट में पीएम मोदी के अलावा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नहीं शामिल होंगे.

ट्रंप का एशिया दौरा रविवार को मलेशिया से शुरू हो रहा है, जो जापान के बाद दक्षिण कोरिया में खत्म होगा. दक्षिण कोरिया में आयोजित एशिया पैसिफिक इकनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) समिट में ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हो सकती है.

ट्रंप अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति हैं, जो मलेशिया दौरे पर जा रहे हैं. ट्रंप से पहले बराक ओबामा और लिंडन बी जॉनसन ने मलेशिया का दौरा किया था.

भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, "प्रधानमंत्री मोदी आसियान समिट में 26 अक्तूबर को वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे. वहीं 27 अक्तूबर को मलेशिया में आयोजित 20वें ईस्ट एशिया सम्मेलन में एस जयशंकर पीएम मोदी का प्रतिनिधित्व करेंगे."

पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने का मतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी आमने-सामने की मुलाकात नहीं होगी.

पीएम मोदी वैश्विक आयोजनों से दूर रहने के लिए नहीं जाने जाते हैं. कुआलालंपुर समिट में पीएम मोदी के नहीं जाने को असामान्य फैसले के रूप में भी देखा जा रहा है.

2020 और 2021 में कोविड महामारी के कारण पीएम मोदी आसियान समिट में वर्चुअली शामिल हुए थे जबकि 2022 में भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उनका प्रतिनिधित्व किया था.

इसके अलावा 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से नरेंद्र मोदी खुद सभी आसियान समिट में शामिल हुए हैं. यहाँ तक कि 2023 में भारत में आयोजित जी-20 समिट से ठीक पहले मोदी जकार्ता में आयोजित आसियान समिट में शरीक हुए थे.

हाल के महीनों में पीएम मोदी ने कुछ वैश्विक आयोजनों से दूरी बनाई है. इससे पहले मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में आयोजित गजा शांति सम्मेलन से दूर रहे थे.

भारतीय मीडिया में खबरें चल रही थीं कि सितंबर महीने में पीएम मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे और राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे लेकिन पीएम मोदी ने इससे भी दूरी बनाई थी और यूएनजीए को एस जयशंकर ने संबोधित किया था.

विपक्षी दल कांग्रेस ने पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने के फैसले पर सवाल उठाया है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का 'सामना नहीं करना चाह रहे' हैं.

जानकार आसियान में पीएम मोदी के शामिल न होने को अमेरिका से दूरी बनाए रखने की 'सोची-समझी' रणनीति बता रहे हैं.

क्या है वजह?

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से हुई बातचीत का ज़िक्र करते हुए पीएम मोदी ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, "आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ."

अनवर ने भी कहा कि मोदी उस समय भारत में चल रहे दीपावली उत्सव के कारण इस बैठक में वर्चुअल रूप से शामिल होंगे.

आसियान सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया नहीं जाने के फैसले पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं.

जयराम रमेश ने कहा, "सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ में पोस्ट करना एक बात है लेकिन उनसे आमना-सामना करना दूसरी बात है."

उन्होंने एक्स पर लिखा, "पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने की वजह

साफ है, वह राष्ट्रपति ट्रंप के सामने नहीं आना चाहते, जो वहां मौजूद होंगे. उन्होंने कुछ हफ़्ते पहले मिस्र में गजा शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण भी इसी वजह से ठुकरा दिया था."

सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने एक्स पर लिखा, "प्रधानमंत्री मोदी का ट्रंप की मौजूदगी वाले आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल न होने का फैसला इस रूप में देखा जा रहा है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति से दूरी बनाए रखना चाहते हैं. ट्रंप ने भारत पर ऊँचे टैरिफ और अप्रत्यक्ष प्रतिबंधों के जरिए दबाव बनाए रखा है. माना जा रहा है कि मोदी ट्रंप से मुलाकात तभी करना चाहेंगे जब ट्रेड डील का मसौदा तैयार हो जाएगा, उससे पहले नहीं."

वॉशिंगटन डीसी स्थित विल्सन सेंटर के निदेशक माइकल कुगलमैन का कहना है कि अब ट्रेड डील के जरिए ही दोनों देशों के बीच भरोसा बहाल हो सकता है.

उन्होंने एक्स पर लिखा, "मोदी के आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल न होने और मोदी-ट्रंप मुलाकात के न होने से स्थिति फिर पहले जैसी हो गई है. अमेरिका और भारत के रिश्तों को नई शुरूआत देने का सबसे अच्छा मौका अब एक व्यापार समझौता ही है (जो जल्द होने की उम्मीद है). यह ऐसा भरोसा बहाल करने वाला कदम होगा, जिससे पिछले कई महीनों से चल रहे तनाव में कुछ नरमी आ सकती है."

अमेरिका और भारत कई महीनों से व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन ये बातचीत जटिल हो गई है क्योंकि भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ा दिया था.

इसी वजह से अमेरिका ने अगस्त में भारतीय सामानों पर 25 फीसदी का टैरिफ लगा दिया, जिससे कुल टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया है. अमेरिकी फैसले के जवाब में भारत के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'यह कार्रवाई अनुचित, अकारण और तर्कहीन है.'

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने पीएम मोदी के इस फैसले को सही ठहराया है.

उन्होंने लिखा, "अगर पीएम मोदी कुआलालंपुर जाते तो ट्रंप के साथ बैठक करनी पड़ती. ट्रंप की अप्रत्याशित और बेतुकी बातें राजनीतिक जोखिम पैदा करती हैं."

कंवल सिब्बल ने कहा कि जब तक अमेरिका से व्यापार समझौता नहीं हो जाता, ट्रंप से मिलने से बचना ही बेहतर है.

'प्रधानमंत्री शायद वो जोखिम नहीं लेना चाहते'

प्रोफ़ेसर हर्ष वी पंत नई दिल्ली स्थित ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्ययन और विदेश नीति विभाग के उपाध्यक्ष हैं.

बीबीसी संवाददाता अभय कुमार सिंह से बातचीत में वे कहते हैं कि यह कोई अचानक लिया गया या रहस्यमय फैसला नहीं है.

हर्ष वी. पंत कहते हैं, "भारत और अमेरिका के बीच इस समय ट्रेड वार्ता चल रही है. ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप हर तरह का दबाव बनाने की रणनीति अपनाते हैं. वह बातचीत में हर चीज का इस्तेमाल करते हैं ताकि अपने पक्ष को मजबूत कर सकें."

उनका कहना है कि अगर प्रधानमंत्री ट्रंप से सीधे मिलते, तो वो अपने आप को "एक तरह से उन प्रेशर पॉइंट्स के लिए ओपन" कर देते.

"अगर सीधी वार्ता होती है और वो (ट्रंप) सार्वजनिक तौर पर कुछ कह देते हैं, तो वहाँ आप क्या जवाब दे पाएंगे?"

हर्ष वी. पंत मानते हैं कि यह फैसला रणनीतिक रूप से सोचा-समझा गया कदम है. उनका कहना है, "जब तक ट्रेड एग्रीमेंट पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता, तब तक ट्रंप जैसे नेता से सीधा जुड़ाव रखना जोखिम भरा हो सकता है. प्रधानमंत्री शायद वही जोखिम नहीं लेना चाहते."

पंत कहते हैं, "अगर हमारे और अमेरिका के बीच कुछ दिक्कतें चल रही हैं और बातचीत जारी है, तो भारत को खुद को ऐसे मौकों पर एक्सपोज क्यों करना चाहिए? प्रधानमंत्री वहाँ सार्वजनिक रूप से उनके साथ होंगे तो ट्रंप कुछ भी कह सकते हैं और वो ऐसे बयानों के लिए जाने जाते हैं. प्रधानमंत्री खुद को उस तरह की सार्वजनिक असहजता के लिए क्यों खुला रखें?"

"ऐसे में जब कोई नेता इतना अप्रत्याशित हो, तो सार्वजनिक तौर पर सीमित बातचीत रखना ही समझदारी है. जब तक ट्रेड एग्रीमेंट्स पर सहमति नहीं बन जाती, तब तक उनसे बचना ही बेहतर है."

अगले महीने दक्षिण अफ़्रीका में जी-20 समिट है और पीएम मोदी के इस समिट में शामिल होने की पूरी संभावना है.

ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस समिट में नहीं जाएंगे. ट्रंप का कहना है कि दक्षिण अफ़्रीका की नीतियां बहुत खराब हैं. इसी साल भारत में क्वॉड समिट होना था लेकिन अब तक हुआ नहीं. यानी इस साल पीएम मोदी और ट्रंप के बीच एक और मुलाकात होती नहीं दिख रही है.

कैबिनेट सचिव, डॉ. टी. वी. सोमनाथन ने बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) की बैठक की अध्यक्षता की

कैबिनेट सचिव डॉ. टी. वी. सोमनाथन ने बंगाल की खाड़ी में आज आने वाले चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) की बैठक की अध्यक्षता की।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने समिति को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के क्षेत्र की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। यह दबाव पिछले 6 घंटों के दौरान 7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया है और 25 अक्टूबर 2025 को भारतीय समय के अनुसार 11:30 बजे तक चेन्नई (तमिलनाडु) से 950 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 960 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 970 किलोमीटर दक्षिणपूर्व और गोपालपुर (ओडिशा) से 10:30 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है। इसके लगभग पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने, 26 तारीख तक एक गहरे दबाव में बदलने और 27 तारीख की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम की ओर, फिर उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 28 अक्टूबर की सुबह तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, इसके 28 अक्टूबर की शाम/रात के दौरान एक भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की प्रबल संभावना है। इस चक्रवाती तूफान की अधिकतम गति 90-100 किलोमीटर प्रति घंटा से लेकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है।

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पुद्दुचेरी के मुख्य सचिवों और ओडिशा के अपर मुख्य सचिव ने समिति को चक्रवाती तूफान के संभावित मार्ग में लोगों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे तैयारी संबंधी उपायों और स्थानीय प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे एहतियाती कदमों से अवगत कराया। समिति के ध्यान में यह भी लाया गया कि पर्याप्त आश्रय और निकासी व्यवस्था की गई है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की आवश्यक टीमों को रैयार रहने को कहा गया है। जिला नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय हैं और स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम, बंगाल की खाड़ी से सटे मध्य क्षेत्र, तमिलनाडु के साथ-साथ, आंध्र प्रदेश और यनम (पुद्दुचेरी) और ओडिशा के तट के आस-पास न जाएं। जो लोग समुद्र में हैं उन्हें तुरंत तट पर लौटने की सलाह दी गई है।

बैठक में भाग लेने वाले केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों ने समिति को बताया कि सभी मानक संचालन प्रक्रियाएँ लागू हैं, आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं और चक्रवात के प्रभाव से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए एहतियाती उपाय किए गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने अपनी टीमें तैयार रखी हैं और 26 अक्टूबर तक इन्हें तैनात कर दिया जाएगा। एनडीआरएफ ने अतिरिक्त टीमों तैयार रहने को कहा है। सेना, नौसेना, वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल की बचाव और राहत टीमों को उनके जहाजों और विमानों के साथ तैयार रखा गया है। भारतीय तटरक्षक बल अब तक 900 से अधिक जहाजों को घाट/तट तक पहुँचा चुका है, और शेष को तट पर लौटने के लिए सतर्क कर दिया गया है। केंद्रीय गृह सचिव ने कहा कि गृह मंत्रालय, एनडीएमए और आईएमडी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और मंत्रालयों/विभागों/राज्य सरकारों और एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

कैबिनेट सचिव ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी की केंद्रीय एजेंसियों और सरकारों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जोर देकर कहा कि हमारा लक्ष्य जान-माल की हानि को शून्य रखना और संपत्ति तथा बुनियादी ढाँचे को न्यूनतम क्षति पहुँचाना होना चाहिए। क्षति की स्थिति में, आवश्यक सेवाओं को यथाशीघ्र बहाल किया जाना चाहिए।

महिला वर्ल्ड कप में भारत के सामने सेमीफाइनल की टीम तय, कब और किसके खिलाफ होगा मुकाबला?

(जीएनएस)।

महिला वर्ल्ड कप अब अपने अंतिम चरण की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। सेमीफाइनल मैचों के लिए चार टीमों का निर्धारण पहले ही हो गया था। भारतीय टीम के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को अंतिम चार में जाने का मौका मिला है।

लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका का मैच समाप्त होने के बाद यह तय हो गया कि सेमीफाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला किससे होना है। इस आर्टिकल में मैच की डेट्स और वेन्यू से लेकर तमाम जानकारी दी गई है।

मैच की पूरी जानकारी

मुकाबलाः भारत महिला बनाम ऑस्ट्रेलिया महिला (सेमीफाइनल)

तारीखः 30 अक्टूबर 2025

समयः दोपहर 3:00 बजे (भारतीय समय)

स्थानः डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी, नवी मुंबई

हेड टू हेड की बात करें, तो ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा यहां भारी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच अब तक वनडे में 60 मुकाबले खेले गए हैं और ऑस्ट्रेलिया ने इनमें 49 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम को महज 11 मैचों में जीत हासिल हुई है। हालांकि आंकड़े ऑस्ट्रेलिया की तरफ झुके हुए हैं लेकिन भारतीय टीम की क्षमता पर शक नहीं किया जा सकता है। अगर भारतीय टीम सभी विभागों में अच्छा करती है, तो ऑस्ट्रेलिया को पटखनी दे सकती है।

भारत के लिए क्या है प्लस पॉइंट

भारतीय टीम के लिए प्लस पॉइंट यह है कि अपना पिछला मैच ही डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में खेला है। वहां न्यूजीलैंड के सामने भारतीय टीम ने धमाल मचा दिया था। स्मृति मंधाना और प्रतिका के बल्ले से शतक देखने को मिले थे। ऐसे में भारतीय टीम के पास पिच और ग्राउंड डायमेंशन की जानकारी अच्छी तरह है।

हरमनप्रीत कौर अगर टॉस जीतने में कामयाब रहती है, तो पहले बैटिंग करने का फैसला लिया जा सकता है क्योंकि सेमीफाइनल जैसे बड़े मैच में दबाव रहता है और लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल काम हो जाता है।

कैसे बुर्के में छुपकर लादेन ने अमेरिकी सेना को दिया था चकमा! एक्स सीआईए अधिकारी ने बताई पूरी कहानी

(जीएनएस)।

एक चौंकाने वाले नए खुलासे में, CIA के एक पूर्व अधिकारी जॉन किरियाकौ ने दावा किया है कि 9/11 के आतंकवादी हमलों का मास्टरमाइंड और दुनिया का मोस्ट वॉन्टेड आतंकवादी ओसामा बिन लादेन, अमेरिकी सेना से बचने के लिए महिला के भेष में अफगानिस्तान से भाग गया था। किरियाकौ ने एएनआई समाचार एजेंसी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में यह बात कही।

कौन हैं उक्अ के अधिकारी किरियाकौ?

किरियाकौ, जिन्होंने 15 साल तक उक्अ में सेवा की और पाकिस्तान में उक्अ के एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन के प्रमुख थे, ने बताया कि वे इस बात से अनजान थे कि सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक वास्तव में एक अल-कायदा ऑपरेटिव था, जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ की थी।

तोरा बोरा में ओसामा को पकड़ने की योजना

उन्होंने कहा, "हमें लगा था कि हमने तोरा बोरा में ओसामा बिन लादेन और अल-कायदा के नेतृत्व को घेर लिया है। हमें नहीं पता था कि सेंट्रल

कमांड के कमांडर के लिए ट्रांसलेटर का काम करने वाला असल में एक अल-कायदा ऑपरेटिव था जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ की थी।"

किरियाकौ ने बताया कि उन्होंने बिन लादेन से आत्मसमर्पण करने को कहा, जिस पर उस ट्रांसलेटर के जरिए उसने सुबह तक का समय मांगा, यह कहते हुए कि वे महिलाओं और बच्चों को निकालना चाहते हैं। उस ट्रांसलेटर ने जनरल फ्रैंक्स को इस शर्त को मंजूरी देने के लिए मना लिया।

धोखा और फरारी की कहानी

किरियाकौ के अनुसार, जब सुबह हुई, तो अमेरिकी सैनिकों को पता चला कि उन्हें धोखा दिया गया है; तोरा बोरा की गुफाएँ खाली थीं। बिन लादेन एक महिला के वेश में (संभवतः बुर्का पहनकर), अंधेरे का फायदा उठाकर एक पिकअप ट्रक में पाकिस्तान भाग गया। इसके बाद बिन लादेन लगभग एक दशक तक पाकिस्तान में छिपा रहा, जब तक कि 2011 में एबटाबाद में एक अमेरिकी नेवी सील के छापे में उसे मार नहीं दिया गया।

अमेरिका-पाकिस्तान की खुफिया करीबी

यह जानकारी किरियाकौ ने 9/11 के आतंकवादी हमले के बाद तोरा बोरा पहाड़ों में अल-कायदा आतंकवादियों को घेरने और उनके पाकिस्तान भागने, तथा अमेरिका और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के बीच घनिष्ठ संबंधों से संबंधित एक सवाल का जवाब देते हुए दी थी। अमेरिका ने बाद में मई 2011 में उत्तरी पाकिस्तान के एबटाबाद शहर में ओसामा बिन लादेन का पता लगाया। 2 मई को अमेरिकी स्पेशल फोर्सेस ने उसके सुरक्षित ठिकाने पर छापा मारकर उसे मार गिराया।

मुशर्रफ और अमेरिका की 'डील'

तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का जिक्र करते हुए, किरियाकौ ने कहा कि उन्होंने "राष्ट्रपति मुशर्रफ को खरीदा लिया था" और "मुशर्रफ वह हमें वही करने देते थे जो हम करना चाहते थे।"

उन्होंने आगे कहा, "पाकिस्तान सरकार के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे थे। उस समय जनरल परवेज मुशर्रफ थे। आइए ईमानदार रहें, संयुक्त राज्य अमेरिका को तानाशाहों के साथ काम करना पसंद है।"

अमेरिका की नीतियों पर तीखी टिप्पणी

किरियाकौ ने स्पष्ट किया कि "हमें जनता की राय की चिंता नहीं करनी पड़ती, और मीडिया की भी चिंता नहीं करनी पड़ती।" उन्होंने बताया, "हमने लाखों-करोड़ों डॉलर की सहायता दी, चाहे वह सैन्य सहायता हो या आर्थिक विकास सहायता।

विराट कोहली ने सिडनी में रचा इतिहास, दिग्गज खिलाड़ी को पछाड़ बनाया खास रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच में कमाल की बल्लेबाजी की। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में दूसरे वनडे के दौरान विराट कोहली ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। वह अब वनडे क्रिकेट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

कुमार संगकारा को छोड़ा पीछे इस मैच में उन्होंने श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा के 14,234 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब इस फॉर्मेट में रनों के मामले में उनसे आगे सिर्फ क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ही खड़े हैं। सिडनी में कदम रखने से पहले कोहली लगातार दो मैचों में शून्य (डक) पर आउट हुए थे, जिससे उनकी फॉर्म पर सवाल उठ रहे थे। संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें 54 रनों की जरूरत थी।

हालांकि पारी की शुरूआत में वह थोड़े असहज लगे, लेकिन जल्द ही विराट कोहली अपनी पुरानी लय में लौट आए और आसानी से सिंगल-डबल्स लेना शुरू कर दिया। उन्होंने अपनी पारी के 32वें ओवर में एक सिंगल लेकर यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। शुभमन गिल के 24 रन पर आउट होने के बाद 11वें ओवर में मैदान पर आए कोहली ने अपना पहला रन लेते ही खुद को एक मुट्ठी बंद करके बधाई दी।

सीएम योगी ने राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन और पीएम मोदी से की मुलाकात; जेवर एयरपोर्ट का भी किया दौरा

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और पीएम मोदी से भी मुलाकात की।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान शनिवार (25 अक्टूबर) को उन्होंने कई नेताओं से मुलाकात भी की। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रपति के अमूल्य समय के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय और यूपी सीएमओ ने पर मुलाकात की तस्वीर भी साझा की।

पीएम मोदी से भी की मुलाकात

इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की और उनसे मार्गदर्शन मांगा। सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना की। अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री की उपस्थिति से मिलने वाली प्रेरणा और अटूट ऊर्जा पर जोर दिया और इसे एक मार्गदर्शक सिद्धांत और शक्ति का स्रोत बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री को उनके बहुमूल्य समय के लिए धन्यवाद दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इस तरह की बातचीत समर्पण के साथ सेवा करते रहने के उनके संकल्प को और मजबूत करती है।

उपराष्ट्रपति से सीएम योगी ने की मुलाकात

वहीं पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद सीएम योगी ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के साथ भी सौहार्दपूर्ण बैठक की। उन्होंने उपराष्ट्रपति को इस अवसर और बहुमूल्य समय के लिए धन्यवाद दिया, जिससे उत्तर प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को और बल मिला।

सीएम योगी ने जेवर एयरपोर्ट का किया दौरा

बता दें कि इससे पहले यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्ध नगर के जेवर में बनने वाले नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के स्थल का विस्तृत निरीक्षण भी किया। उनके साथ वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, स्थानीय विधायक और एयरपोर्ट के अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और परियोजना की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन और सीओओ किरण जैन ने निर्माण और तैयारियों की जानकारी दी।

गुरुद्वारे के सामने चल रहा अवैध निर्माण, एलडीए नोटिस के बाद भी नहीं रुका काम

सेटिंग-गेटिंग के सहारे बिल्डर बेखौफ, थाने और एलडीए की कार्रवाई पर उठे सवाल

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र स्थित गुरुद्वारे के सामने एक इमारत में अवैध कमर्शियल निर्माण का कार्य लगातार जारी है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से नोटिस जारी होने के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डर को अधिकारियों का पूरा संरक्षण प्राप्त है, जिस कारण न तो एलडीए के आदेशों का भय है और न ही प्रशासनिक कार्रवाई का असर। अवैध निर्माण कार्य दिन-रात जारी है, जिससे क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है सूत्रों के अनुसार, इस अवैध निर्माण में कुछ प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि 'यह सब सेटिंग और गेटिंग के सहारे चल रहा खेल है,' जिससे लखनऊ विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

पत्रकार द्वारा पूछे जाने पर एलडीए के जूनियर इंजीनियर सुनील कुमार ने दूरभाष पर जानकारी दी कि 'थाने को अवगत करा दिया गया है कि बिल्डिंग में अगले आदेशों तक कोई भी निर्माण कार्य न हो।' सूत्रों की माने कुछ प्रसिद्ध समाचार पत्र व चैनल के पत्रकारों के संरक्षण में चल रहा अवैध कमर्शियल निर्माण का खेल। हालांकि, एलडीए के निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुए मौके पर अब भी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि अवैध निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषी अधिकारियों व बिल्डर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए अब देखने वाली बात यह होगी की इस खबर को संज्ञान लेकर होती है कोई कार्रवाई या ऐसे ही फलते फूलते रहेंगे अवैध कमर्शियल निर्माण।

जैदपुर में पुलिस के दुर्व्यवहार के खिलाफ चेयरमैन प्रतिनिधि दाऊद अलीम का कड़ा रुख

सी.ओ. सदर से मुलाकात कर कहा इस मामले को गंभीरता से प्रशासन

(जीएनएस)।

बाराबंकी / जैदपुर : नगर के व्यापारियों और आम जनता की शिकायतों को लेकर जैदपुर कोतवाली के पुलिस कर्मियों द्वारा किए जा रहे दुर्व्यवहार और समस्याओं के समाधान में लापरवाही के खिलाफ चेयरमैन प्रतिनिधि दाऊद अलीम ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सी.ओ. सदर सौरभ से मुलाकात कर जनता की शिकायतों को गंभीरता से उठाया!

दाऊद अलीम ने स्पष्ट शब्दों में कहा है! "कोतवाली के किसी भी पुलिस कर्मी द्वारा जैदपुर की जनता के साथ अनावश्यक दुर्व्यवहार या किसी भी प्रकार की अवैध वसूली को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए चाहे माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय या कोर्ट ही क्यों न जाना पड़े।"

इस अवसर पर नगर पंचायत के प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सभासद सुमन सिंह, राम सिंह, निजामुद्दीन, टेकचंद्र रावत, मोहम्मद आलम, मोहम्मद आरिफ, अलताब सहित अन्य सभासद शामिल थे, ने एस.पी. ऑफिस पहुंचकर अपनी बात रखी। प्रतिनिधिमंडल ने सी.ओ. सदर को फूल भेंट कर दीवाली की शुभकामनाएं भी दीं।

यह कदम न केवल प्रशासन का ध्यान आकर्षित करेगा, बल्कि जनता के बीच विश्वास भी जगाएगा कि उनकी आवाज सुनी जा रही है।

कर्नूल बस त्रासदी का खौफनाक खुलासा! 234 मोबाइल्स ने भड़काई आग? क्या लापरवाही ने ली 20 जानें?

(जीएनएस)।

आंध्र प्रदेश के कर्नूल में शुक्रवार तड़के हुए भयानक बस हादसे की भयावह तस्वीर धीरे-धीरे सामने आ रही है। बेंगलुरु जा रही प्राइवेट बस में आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। अब इस पूरे कांड में एक नया और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है जिसने सबको हैरान कर दिया।

बता दें कि बस में कुल 44 लोग सवार थे। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर कर्नूल के बाहरी इलाके में हुआ, जब बस की टक्कर एक मोटरसाइकिल से हुई। ज्यादातर यात्री सो रहे थे, जिससे हादसा और भयानक बन गया।

स्मार्टफोन ने बढ़ाई आग?

NDTV की रिपोर्ट के अनुसार, बस में 234 रियलमी स्मार्टफोन थे, जिनकी कीमत लगभग 46 लाख रुपये बताई गई है। यह खेप हैदराबाद के व्यवसायी मंगनाथ द्वारा फ्लिपकार्ट के लिए बेंगलुरु भेजी जा रही थी।

फॉरेंसिक विशेषज्ञों का कहना है कि स्मार्टफोन की बैटरी फटने से आग की तीव्रता बढ़ी।

आग लगने के दौरान बस के दरवाजे शॉर्ट सर्किट की वजह से जाम हो गए। बस के कुछ यात्रियों ने खिड़कियां तोड़कर अपनी जान बचाई। 20 यात्रियों ने इसी तरह बाहर निकलने में कामयाबी पाई।

पुलिस जांच और कानूनी कार्रवाई

पुलिस ने बस के दो ड्राइवरों के खिलाफ लापरवाही और ओवर-स्पीडिंग के मामले दर्ज किए हैं। एक यात्री एन रमेश की शिकायत के बाद यह कार्रवाई हुई। पुलिस का कहना है कि हादसे के समय बस चला रहे ड्राइवर लक्ष्मैया घटनास्थल से फरार हो गए थे, जबकि दूसरे ड्राइवर शिव नारायण को हिरासत में लिया गया है। शिव नारायण पर कई बार बयान बदलने का आरोप भी है।

आगे की जांच

जांच जारी है कि स्मार्टफोन की खेप ने कितनी आग फैलाने में योगदान दिया। साथ ही, यह पता लगाया जा रहा है कि ड्राइवरों की लापरवाही और ओवर-स्पीडिंग हादसे के लिए कितनी जिम्मेदार है। इस हादसे ने न केवल कर्नूल बल्कि पूरे देश को हिला दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मोबाइल बैटरियों और पेट्रोल के मिश्रण से हुई आग बेहद खतरनाक थी, और अगर समय पर बचाव नहीं होता, तो नुकसान और बढ़ सकता था।

चिराग पासवान का 'मास्टरस्ट्रोक, मुस्लिमों को लेकर ऐसा क्या कहा कि तेजस्वी यादव की उड़ी नींद

(जीएनएस)। बिहार में महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने के बाद एक बड़ा सियासी मुद्दा खड़ा हो गया है। इस घोषणा के बाद राज्य की राजनीति में एक नई बहस छिड़ गई है कि आखिर मुस्लिम चेहरे को शीर्ष पदों पर क्यों नहीं लाया गया?

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इस मुद्दे पर महागठबंधन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से एक मार्मिक अपील की है, जिससे बिहार की राजनीति में मुस्लिम प्रतिनिधित्व और वोट बैंक की अवधारणा पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। यह मुद्दा अब AIMIM जैसे दलों द्वारा भी जोर-शोर से उठाया जा रहा है, जो आगामी चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा सकता है।

चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राजद 2005 में भी मुस्लिम मुख्यमंत्री के लिए तैयार नहीं था, आज 2025 में भी न मुस्लिम मुख्यमंत्री देने को तैयार है, न उपमुख्यमंत्री।' उन्होंने याद दिलाया कि उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान ने 2005 में मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पार्टी तक कुर्बान कर दी थी, लेकिन तब भी उन्हें समर्थन नहीं मिला था।

वन रेंज मसौली में नहीं थम रहा अवैध कटान रातों-रात किया जा रहा अवैध कटान

(जीएनएस)।

बाराबंकी जिले के मसौली क्षेत्र में अवैध पेड़ों की कटाई लगातार जारी है। आरोप है कि वन विभाग और पुलिस प्रशासन की कथित मिलीभगत के चलते यह अवैध कटान लगातार चल रहा है।मसौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत कटरा मोहल्ला जाने वाली सड़क के पास रात में प्रतिबंधित आम के पेड़ों की कटाई की जा रही थी रात्रि में वन विभाग की टीम ने मौके पर पड़कर जुमार्ना किया है इसके बावजूद भी यह सिलसिला लगातार जारी है।

पिछले कई दिनों से बड़ा गांव के आसपास बागों में कई दिनों सेआम के पेड़ काटे जा रहे हैं दूसरी तरफ मसौली देवकालिया संपर्क मार्ग

बुद्धिपूरव के पास बाग में तीन पेड़ बिना परमिट के काटे गए इसके बावजूद भी लकड़ काटो पर वन विभाग मेहरबान है क्षेत्र में वन विभाग की हीला हवाली के कारण अवैध कटान और अन्य अवैध गतिविधियां हो रही हैं। जिससे लड़काटो के हौसले बुलंद है पिछले कई महीने से एक भी अवैध कटान को लेकर वन विभाग के द्वारा एक भी लकड काटो पर कार्रवाई नहीं कराई गई जिससे साफ तौर से यह कहां जा सकता है की वन विभाग की मिली भगत से अवैध कटान हो रहे हैं जिससे स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर चर्चा है कि वन विभाग और पुलिस प्रशासन की चुप्पी के कारण ही इस तरह के अवैध कार्य हो रहे हैं। जिसमें कलमी पेड़ बात कर परमिट जारी कर देसी आकृति जैसे पेड़ काटे जा रहे हैं जो क्षेत्र व पर्यावरण को दूषित करने का कार्य रातों-रात किया जा रहा है जिससे वन विभाग की मौन स्वीकृति पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रेमी प्रेमिका का मिलन होता उससे पूर्व प्रेमिका के भाई को आहट लगी, लोगो ने चोर समझकर जनकर पिटाई कर दी।

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। प्यार मे रास्ते छोटे हो जाते है जिसका जीता जागता उदाहरण बीती रात्रि थाना क्षेत्र के ग्राम हबीबपुर मे उस समय देखने को मिला जब प्रेमिका से मिलने प्रेमी रात्रि मे करीब सौ किमी का सफर तय कर प्रेमिका की छत पर चढ़ गया प्रेमी प्रेमिका का मिलन होता उससे पूर्व प्रेमिका के भाई को आहट लग गयी जिससे घबराकर भागा प्रेमी दूसरे के आँगन मे गिर पड़ा जिसे लोगो ने चोर समझकर जनकर पिटाई कर दी।

बताते चले कि मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम हबीबपुर मे बीती मध्य रात्रि उस समय हड़कंप मच गया जब लोगो ने शोर मचाया कि पकड़ लो चोर आ गया है और ग्रामीणों ने एक युवक को दबोच कर जमकर पिटाई कर दी ग्रामीणों की पकड़ मे आया युवक चिल्लाता रहा कि हम चोर नही है लेकिन जो ग्रामीण आया उसने हाथ साफ किया। कुछ समय बाद युवक ने बताया कि हम चोर नही बल्कि प्रेमिका के बुलाने पर उससे मिलने आया था।

(प्यार रास्ता हो गया छोटा)

ग्राम हबीबपुर मे प्रेमिका से मिलने आया युवक सीतापुर जनपद के मिश्रिख थाना क्षेत्र का रहने वाला ललित पुत्र छत्रपाल शुक्रवार की रात्रि मे प्रेमिका के बुलाने पर ललित सौ किमी की दूरी तय कर मिलने आ गया लेकिन ग्रामीणों ने चोर समझ कर इश्किया भूत उतार दिया और शरीर सुजा कर घर लौटे।

मलाइका अरोड़ा की उम्र कितनी है? उम्र को लेकर मचा बवाल, बहन अमृता अरोड़ा का शॉकिंग खुलासा, ये है सच

(जीएनएस)।

बॉलीवुड की ग्लैमरस दीवा मलाइका अरोड़ा गत 23 अक्टूबर 2025 को अपना जन्मदिन मनाने के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बार चर्चा उनकी फिल्मों या स्टाइल को लेकर नहीं बल्कि उनकी उम्र को लेकर हो रही है।

क्या है मलाइका अरोड़ा की सही उम्र?

सोशल मीडिया पर बीते कुछ दिनों से लोग मलाइका अरोड़ा की रियल एज को लेकर तरह-तरह के अनुमान लगा रहे हैं। मामला इतना बढ़ गया है कि खुद उनकी बहन अमृता अरोड़ा को सामने आकर सच्चाई बतानी पड़ी।

मलाइका अरोड़ा की उम्र को लेकर मचा कन्फ्यूजन

-मलाइका अरोड़ा ने गोवा में अपना शानदार बर्थडे सेलिब्रेशन

किया। जब उनके बर्थडे के वीडियोज और फोटोज सामने आए तो फैंस ने देखा कि उनके केक पर 50 लिखा हुआ था। इसके बाद इंटरनेट पर बहस छिड़ गई कि आखिर मलाइका की असली उम्र क्या है?

'मुझे लोग बुढ़िया कहते हैं', 51 साल की मलाइका अरोड़ा का छलका दर्द, सरेआम हुई ऐसी हालत

'मुझे लोग बुढ़िया कहते हैं', 51 साल की मलाइका अरोड़ा का छलका दर्द, सरेआम हुई ऐसी हालत

-लोगों ने साल 2019 के उनके कुछ पुराने पोस्ट्स शेयर किए जिनमें दावा किया गया था कि उस साल उन्होंने अपना 46वां जन्मदिन मनाया था। इस हिसाब से देखा जाए तो 2025 में उनकी उम्र 52 साल होनी चाहिए थी। ऐसे में फैंस के बीच भ्रम की स्थिति बन गई है।

मलाइका की बहन अमृता अरोड़ा ने बताया पूरा सच

इन सभी अटकलों पर अब मलाइका अरोड़ा की बहन अमृता अरोड़ा ने विराम लगा दिया है। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर मलाइका अरोड़ा के बर्थडे केक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है- 50 साल की उम्र के इतने शानदार सालों के लिए...आखिरकार तुम 50 की हो गई, मेरी प्यारी बहन।

गोवा में हुआ शानदार बर्थडे सेलिब्रेशन

-अमृता अरोड़ा के इस पोस्ट के बाद ये साफ हो गया कि मलाइका अरोड़ा ने इस साल अपना 50वां जन्मदिन मनाया है। आपको बता दें कि मलाइका अरोड़ा का बर्थडे गोवा में उनके दोस्तों और परिवार के बीच बेहद खास अंदाज में मनाया गया।

-अमृता अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर बर्थडे पार्टी की झलकियां शेयर की हैं जिसमें मलाइका अरोड़ा अपने दोस्तों के साथ अपने फेमस आइटम नंबर 'छैंया छैंया' पर झूमती नजर आ रही हैं।

-वहीं खुद मलाइका अरोड़ा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर बर्थडे की तस्वीरें और एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है जिसके कैप्शन में लिखा था- इतने साल 53 की रहने के बाद आखिरकार 50 की हो गई। इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर रिएक्ट किया है और उनके फिटनेस और यंग लुक की तारीफ की है।

फिल्म 'थामा' में किया धमाकेदार डांस

-आपको बता दें कि मलाइका अरोड़ा पिछले कुछ समय से एक्टिंग से थोड़ी दूर जरूर हैं लेकिन रिएलिटी शोज में बतौर जज वह लगातार एक्टिव हैं। हाल ही में उन्हें आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' में आइटम डांस करते हुए देखा गया है। इस गाने पर उनके डांस मूव्स ने दर्शकों को दीवाना बना दिया।

-वहीं 50 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा ने ये साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है। स्टाइल, फिटनेस और कॉन्फिडेंस के मामले में आज भी उनका कोई मुकाबला नहीं है।

एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। फोटो डिवाइन धनवंतरी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर, प्यारेपुर सरैया के सौजन्य से पंचायत भवन, दादरा में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान लोगों की रक्तचाप एवं शुगर की निःशुल्क जांच की गई, साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया तथा अन्य सभी जांचों पर 50 प्रतिशत की छूट उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर डॉ. आशीष अस्थाना, डॉ.अजय यादव, डॉ.शालिनी शुक्ला, स्टाफ नर्स निर्मला, शबीना बानो, लैब तकनीशियन पंकज सिंह, फार्मेसिस्ट राजबंधु, बिलिंग सेक्शन ऋषभ, सुपरवाइजर पंकज वर्मा, पी.आर.ओ. राजकुमार वर्मा और वार्ड ब्वॉय महेंद्र कुमार, विश्वनाथ मौर्य आदि उपस्थित रहे।

शिविर में ग्राम पंचायत दादरा के प्रधान मुबीन अहमद ने सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई और आयोजन की सराहना की।

प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमे कुल तीन प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

थाना समाधान दिवस मे ग्राम आदमपुर निवासी सन्तराम पुत्र सुंदरलाल, लवकुश पुत्र जगजीवन तथा नरेंद्र कुमार पुत्र राममनोहर ने चकमार्ग की पैमाइश के बाद रास्ता निकालने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया।

वहीं ग्राम पंचायत नसीरपुर के मजरे रमनगरा निवासी सहजराम पुत्र रामसनेही ने सोहराबाद (सफदरगंज) निवासी कुंता देवी, रामतेज व उनके भतीजे प्रदीप व राहुल के विरुद्ध पुश्तैनी भूमि पर कब्जे की शिकायत दर्ज कराई।

इसके अलावा ग्राम बाबा किन्हौली निवासी हरिश्चंद्र पुत्र मैकूलाल ने मसौली निवासी शैलेन्द्र व धर्मेंद्र पुत्र कृपाशंकर के खिलाफ मकान पर कब्जे के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक शमशाद अली, उपनिरीक्षक राजकरण, शिवकुमार, राकेश यादव, विपिन कुमार, राजस्व निरीक्षक रमेश चंद्र तथा क्षेत्रीय लेखपाल उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण की उड़ी धज्जियां नहीं लिखा पीड़ित महिला का मुकदमा, मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिन रात प्रयासरत है वही राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक पीड़ित महिला ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि थाने के अधिकारियों ने उसकी तहरीर लेकर भी मुकदमा दर्ज नहीं किया। महिला का कहना है कि वह कई दिनों से थाने के चक्कर काट रही है, लेकिन पुलिस मामले को टाल रही है। पीड़िता ने बताया कि वह अपनी शिकायत दर्ज

करवाने गई थी, मगर थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उल्टा उसे ही डांटकर भगा दिया। न्याय की आस में महिला ने अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है कि उसे न्याय दिलाया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से जनता का पुलिस पर से भरोसा उठता जा रहा है। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो पीड़िता को इंसाफ मिलने में और देर हो सकती है। और हो सकती है कोई बड़ी घटना।